11 जून, 2010 को डुब्रोवनिक के मेयर महामहिम आन्द्रो ब्लाहुसिक द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री मो. हामिद अंसारी की टिप्पणियां

गणमान्य अतिथिगण, देवियो और सज्जनो,

मुझे डुब्रोवनिक के खूबसूरत ऐतिहासिक नगर में आकर बहुत खुशी हो रही है। मैं आपका आभारी हूँ कि आपने मेरा इतने शानदार तरीके से स्वागत किया। इसके लिए मैं आपका तथा आपके नगर की मैत्रीपूर्ण जनता का अभिवादन करता हूं तथा अपनी शुभकामनाएं देता हूँ।

मैंने जग्रेब की अपनी यात्रा अभी-अभी पूरी की है जहां मेरी क्रोएशिया के राष्ट्रपति महामहिम श्री इवो जोसीपोविक, साबोर के स्पीकर महामहिम श्री ल्यूका बेबिक और प्रधान मंत्री महामहिम श्रीमती जडरानका कोसोर के साथ अत्यधिक रचनात्मक तथा मैत्रीपूर्ण बातचीत हुई। मुझे इस बात का पक्का विश्वास है कि हमारे दोनों देशों की जनता के पारस्परिक लाभ के लिए हमारे दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंध और अधिक मजबूत होंगे।

महामहिम,

इतिहास के अनुसार डुब्रोवनिक एक सक्रिय व्यापारिक केन्द्र रहा है और इसने कई ख्यातिप्राप्त अन्वेषक, सौदागर, बैंकर और सामुद्रिक यात्री दिए हैं। आपने जिस उत्कृष्ट तरीके से इस खूबसूरत नगर की समृद्ध ऐतिहासिक विरासत को कई सदियों से संजोकर रखा है, उसके लिए मैं निश्चित रूप से आपको बधाई देता हूं। डुब्रोवनिक में प्रत्येक वर्ष दुनिया भर से लाखों पर्यटक आते हैं जो डुब्रोवनिक के गौरवशाली अतीत और इसके निवासियों के मैत्रीपूर्ण व्यवहार का प्रमाण है।

चूंकि भारतीय संसद में मेरे कक्ष में सुसज्जित इस नगर की एक सुन्दर तस्वीर उसे शोभायमान बनाती है इसलिए काम करते समय भी डुब्रोवनिक नगर मेरे विचारों में बना रहता है।

मुझे यह जानकर भी प्रसन्नता हो रही है कि हमारे यहां से काफी दूर होने के बावजूद डुब्रोवनिक ने भारत पर अपनी छाप छोड़ी है। इस नगर के सामुद्रिक यात्री 16वीं सदी के मध्य में व्यापार तथा जहाज-निर्माण के लिए गोवा की यात्रा करने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने डुब्रोवनिक के पैट्रन, सेन्ट, सेंट ब्लेज अथवा साओ ब्राज के चर्च की अनुकृति के तौर पर गेन्डाउलिम के गांव में एक चर्च का निर्माण भी किया था। यह कहा जाता है कि इस चर्च की घंटी डुब्रोवनिक से लाई गई थी। हाल के समय में दोनों देशों के बीच आपस में उच्च स्तरीय वार्ता हुई हैं और भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने 1965 में डुब्रोवनिक की यात्रा की थी। मुझे डुब्रोवनिक और भारत के बीच इस महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक संबंध को बरकरार रखने पर खुशी महसूस हो रही है।

आज इस अवसर पर आपके आतिथ्य-सत्कार के लिए मैं महामहिम और डुब्रोवनिक के मैत्रीपूर्ण निवासियों का पुनः धन्यवाद करता हूं और आपके अच्छे स्वास्थ्य तथा सफलता की मंगलकामना करता हूं।